सहायक प्राध्यापक परीक्षा–2024
द्वितीय प्रश्न–पत्र
पाठ्यक्रम–वेद

इकाई 1–वैदिक संहिता परिचय

- ऋक्संहिता का सामान्य परिचय
- यजुःसंहिता का सामान्य परिचय
- साम संहिता का परिचय तथा वैशिष्ट्य
- अथर्व संहिता का परिचय तथा महत्व
- वैदिक संहिताओं का रचनाकाल

इकाई 2–ऋग्वेदीय देवता और वेदभाष्यकारों का परिचय

- द्युस्थानीय देवता (द्यौस्, वरुण, मित्र, सूर्य, सवितृ, पूषन्)
- अन्तरिक्ष तथा पृथिवी स्थानीय देवता (इन्द्र, रुद्र, मरुत्, पर्जन्य, अग्नि, सोम)
- वेद भाष्यकार (स्कन्द स्वामी, नारायण, उद्गीथ, वेंकटमाधव, धानुष्कयज्वा, आनन्दतीर्थ)
- वेद भाष्यकार (सायण, रावण, माधव, हलायुध, उव्वट, महीधर)
- वेद और पाश्चात्य विद्वान् (चार्ल्स विल्किन्स, सर विलियम जोन्स, मैक्समूलर, बेबर, मैकडानल, ए.बी. कीथ)

इकाई 3–वैदिक सूक्त (पद पाठ, मंत्रों की हिन्दी/संस्कृत व्याख्या, टिप्पणी)

- अग्निसूक्त (ऋग्वेद 1:1)
- इन्द्रसूक्त (ऋग्वेद 2:12)
- अक्षसूक्त (ऋग्वेद 10:34)
- नासदीयसूक्त (ऋग्वेद 10:129)
- हिरण्यगर्भसूक्त (ऋग्वेद 10:121)

इकाई 4–वैदिक सूक्त (पद पाठ, मंत्रों की हिन्दी/संस्कृत व्याख्या, टिप्पणी)

- वाक्सूक्त (ऋग्वेद 10:125)
- वरुणसूक्त (ऋग्वेद 1:25)
- पर्जन्यसूक्त (ऋग्वेद 5:83)
- उषस्सूक्त (ऋग्वेद 7:77)
- पुरुषसूक्त (ऋग्वेद 10:90)

इकाई 5–वैदिक सूक्त (पद पाठ, मंत्रों की हिन्दी/संस्कृत व्याख्या, टिप्पणी)

- पृथिवीसूक्त (अथर्ववेद 12:1)
- शिवसंकल्पसूक्त (यजुर्वेद 1:6)
- राष्ट्राभिवर्धनसूक्त (अथर्ववेद 1:29)
- कालसूक्त (अथर्ववेद 19:53)
- प्रजापतिसूक्त (यजुर्वेद 1:5)

इकाई 6–ब्राह्मण ग्रन्थों का परिचय

- ऐतरेय तथा कौशीतकि
- तैत्तिरीय तथा शतपथ
- ताण्ड्य तथा गोपथ
- पंच महायज्ञ तथा श्रौतयागों का विवेचन
- शुनःशेप आख्यान (ऐतरेय ब्राह्मण 7:3:1–6)
  वाङ्मनः आख्यान (शतपथ ब्राह्मण) (1:4:5:8–13)

इकाई 7–आरण्यक तथा उपनिषद्

- आरण्यकों का सामान्य परिचय (ऐतरेय, शांखायन, वृहदारण्यक, तैत्तिरीय, तवल्कार)
- उपनिषदों का सामान्य परिचय (केन, प्रश्न, मुण्डक, माण्डूक्य, ऐतरेय, छान्दोग्य, वृहदारण्यक, श्वेताश्वतर उपनिषद्)
- ईशोपनिषद् (मंत्रों की हिन्दी/संस्कृत व्याख्या)
- तैत्तिरीयोपनिषद् शिक्षा वल्ली (मंत्रों की हिन्दी/संस्कृत व्याख्या)
- कठोपनिषद् तृतीया वल्ली (मन्त्रों की हिन्दी/संस्कृत व्याख्या)

इकाई 8–निरुक्त (यास्कमुनिप्रणीत)

- निरुक्त प्रथमाध्याय प्रथमपाद (पद निर्वचन, संस्कृत/हिन्दी व्याख्या)
- निरुक्त प्रथमाध्याय द्वितीयपाद (पद निर्वचन, संस्कृत/हिन्दी व्याख्या)
- निरुक्त प्रथमाध्याय तृतीयपाद (पद निर्वचन, संस्कृत/हिन्दी व्याख्या)
- निरुक्त प्रथमाध्याय चतुर्थपाद (पद निर्वचन, संस्कृत/हिन्दी व्याख्या)
- व्याकरणाध्ययन के प्रमुख प्रयोजन (रक्ष, ऊह, आगम, अलघु, असन्देह)

इकाई 9—वेदांगों तथा प्रातिशाख्यों का सामान्य परिचय

- शिक्षा
- कल्प
- व्याकरण और निरुक्त
- ज्योतिष और छन्द
- प्रातिशाख्य

इकाई 10—पाणिनीय शिक्षा तथा गृह्यसूत्र

- पाणिनीय शिक्षा (01—20 पद्यों की संस्कृत/हिन्दी व्याख्या)
- पाणिनीय शिक्षा (21—40 पद्यों की संस्कृत/हिन्दी व्याख्या)
- पाणिनीय शिक्षा (41—60 पद्यों की संस्कृत/हिन्दी व्याख्या)
- पारस्कर गृह्यसूत्र प्रथम काण्ड (हिन्दी/संस्कृत व्याख्या)
- पारस्कर गृह्यसूत्र द्वितीय काण्ड (हिन्दी/संस्कृत व्याख्या)

---XXX---